कृषि विज्ञान केंद्र, दिल्ली

(राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान)

भाकृअनुप – कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–II, जोधपुर (राजस्थान)

एकीकृत कृषि प्रणाली (INTEGRATED FARMING SYSTEM)

एकीकृत कृषि प्रणाली, खेती की एक ऐसी पद्धति है, जिसके तहत किसान अपने खेत से सम्बंधित उपलब्ध सभी संसाधनों का इस्तेमाल करके कृषि से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करता है। इस विधि के तहत मुख्य फसलों के साथ कृषि आधारित उघोग, पशुपालन, बकरी, कुक्कुट व मछली पालन एवं मधुमक्खी पालन आदि को किया जाता है।

कृषि की इस प्रणाली में कृषि के कम से कम दो या उससे अधिक घटकों को इस प्रकार से समायोजित किया जाता है, कि एक के समायोजन से दूसरे की लागत में कमी हो, उत्पादन में वृद्धि हो एवं साथ ही साथ किसानों को वर्ष भर आमदनी प्राप्त होती रहे।

उद्देश्य

- प्राकृतिक संसाधनों के समन्वित उपयोग से अधिकतम उत्पादन
- लधु एवं सीमान्त कृषकों के लिए निरन्तर आय का प्रमुख माध्यम
- फसल अवशेष एवं अन्य उत्पादों के समुचित उपयोग से लागत में कमी एवं मुदा उर्वरता में सुधार

एकीकृत कृषि प्रणाली के अन्तर्गत फसल प्रणाली (1 हेक्टेयर)	
फसल उत्पादन (अनाज, दलहन, तिलहन एवं सब्जी उत्पादन)	0.7 हेक्टेयर
मछली पालन	0.1 हेक्टेयर
बकरी पालन	10+1 पक्षी
मुर्गी पालन	50 पक्षी
मधुमक्खी	04 बॉक्स
फल उत्पादन	मेड वृक्षारोपण
कम्पोस्टिग	04 (3 मी. X01 मी)
गोबर संचालित बायोगैस	02 धन मीटर
दुग्ध उत्पादन	तीन गाय